हिन्दू-संगठन एवं हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना हेतु कार्यरत

हिन्दू जनजागृति समिति

पंजीयन क्र. : 1540/।-634, १२.११.२००२, फोंडा, गोवा.

चल-दूरभाष
९३२६१०३२७८
इ-मेल
contact@HinduJagruti.org
जालस्थल (वेबसाइट)
www.HinduJagruti.org

पंजीकृत कार्यालय : 'मधु स्मृति', प्रथम तल, बैठक सभागृह, घर क्र. ४५७, सत्यनारायण मन्दिरके निकट, ढवळी, फोंडा, गोवा ४०३ ४०१.

।। जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रम् ।। दिनांक : ८.३.२०१६

प्रेस विज्ञप्ति

'असली' पंडित चंद्रशेखर आजाद और 'नकली' पंडित जवाहरलाल नेहरू !

देशभक्त चंद्रशेखर आजाद के हत्यारे जवाहरलाल नेहरू हैं, इस आरोप की जांच हो! – हिन्दू जनजागृति समिति

मुंबई – महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के भतीजे सुजीत आजाद द्वारा कुछ समय पूर्व ही खलबली मचानेवाला आरोप लगाया है कि जवाहरलाल नेहरू ने ही अंग्रेजों को चंद्रशेखर आजाद की गुप्त जानकारी उपलब्ध करवाई थी तथा उस जानकारी के आधार पर अंग्रेजों ने चंद्रशेखर आजाद को घेरा था । इस समय घायल हुए आजाद ने अंग्रेजों की शरण में जाने के स्थान पर स्वयं को समाप्त किया तथा एक महान क्रांतिकारी का अंत हो गया । उन्होंने जवाहरलाल नेहरू को दिया गया भारतरत्न पुरस्कार लौटाने की मांग भी की है । गांधी की मृत्यु के पश्चात जिस प्रकार 'कपूर आयोग' की नियुक्ति की गई, वैसा ही आयोग नियुक्त कर सरकार इन आरोपों का त्वरित अन्वेषण करे तथा जनता के समक्ष सत्य प्रस्तुत करे ।

जवाहरलाल नेहरू क्रांतिकारियों के प्रति इतना द्वेष रखते थे कि वे आजाद और भगतसिंह आदि क्रांतिकारियों को 'फैसिस्ट' कहते थे । इसी विचारधारा के कारण कांग्रेस शासन की कालावधि में 'एन.सी.ई.आर.टी.' की पुस्तकों में चंद्रशेखर आजाद, भगतसिंह, राजगुरु आदि महान बलिदानी क्रांतिकारियों को 'आतंकवादी' कहा जाता था तथा सिखाया जाता था । गत निर्वाचन में जनता द्वारा सत्ताच्युत किए जाने के पश्चात आज कांग्रेस को देशभक्त क्रांतिकारियों का भान हुआ है । इनमें नेहरू के परपोते और कांग्रेस के राजपुत्र राहुल गांधी 'जेएनयू' विश्वविद्यालय के देशविरोधी नारे लगानेवाले युवकों के साथ जाकर उन्हें समर्थन देने की घोषणा कर रहे हैं । भारत की संपूर्ण जनता अब कांग्रेस का असली स्वरूप जान चुकी है ।

सुजीत आजाद के वक्तव्य के अनुसार चंद्रशेखर आजाद वर्ष १९३१ में भगतसिंह की फांसी निरस्त करने के लिए नेहरू के साथ गुप्त बैठक करने हेतु नेहरू के आनंद भवन पहुंचे थे । उस समय उन्होंने भगतसिंह की मुक्ति के लिए 'हिन्दुस्थान सोशलिस्ट रिपब्लीकन एसोसिएशन' का एक बडा फंड भी दिया था । वह बैठक समाप्त होने के पश्चात लौटते समय 'आल्फ्रेड पार्क' में चंद्रशेखर आजाद को अंग्रेजों ने घेरकर गोलीबारी की । उस समय उन्होंने अंग्रेजों की शरण में जाने की अपेक्षा स्वयं को समाप्त कर लिया तथा एक महान क्रांतिकारी का अंत हो गया । चंद्रशेखर आजाद की मृत्यु के अन्वेषण हेतु समिति नियुक्त की जाए तथा सत्य जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, ऐसी मांग हिन्दू जनजागृति समिति कर रही है ।

अंग्रेजों के आशीर्वाद से पंचतारांकित भवन में कैद भोगनेवाले और क्रांतिकारियों की हत्या के लिए उत्तरदायी 'नकली' पंडित नेहरू की तुलना अंदमान के कारागृह में काले पानी का दंड भोगनेवाले तथा कोल्हू घुमाकर देशभक्ति के लिए रक्त बहानेवाले स्वा. सावरकर से कभी नहीं हो सकती । कांग्रेसी नेता आगामी ट्वीट करते समय यह ध्यान में रखें ।

आपका विश्वसनीय,

रमेश शिंदे

श्री. रमेश शिंदे,

राष्ट्रीय प्रवक्ता, हिन्दू जनजागृति समिति (संपर्क क्रमांक : ९९८७९६६६६६)